अतिरिक्त लेख - 1 *शान्त समय*
तरीकाः चुनिन्दा पद या मनपसन्द सत्य का तरीका

क. परमेश्वर के साथ संगति करने का निजि समय (शान्त समय)

1. परमेश्वर के साथ संगति करने का निजि समय।

परमेश्वर के साथ निजि समय बितानें का अर्थ है कि आप सुनें और कहें। यह परमेश्वर की आवाज़ को सुनना है वह जो बाइबल केवचनों के द्वारा हम से कह रहा है उस समय जब उसकी आत्मा आपके दिल में है। और यह आपका उससे प्रार्थना में बातें करना भी है।

2. हर दिन एक विशेष समय निर्धारित करें।

परमेश्वर के साथ संगति करने के लिए एक विशेष समय नियुक्त करें। हर दिन बाइबल का एक अध्याय या अगर अध्याय बहुत बड़ा है तो उस का लेखाँश पढ़ें। इसके लिए देखें "दैनिकबाइबल पढ़ने की सारिणी"जो नियम पुस्तिका 1 के अतिरिक्त लेख में दी गई है। यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्धारित करता है कि सप्ताह के सातों (7) दिन के लिए एक लेखाँश दिया गया है। जो अगले अध्याय से पहले हैं। इससे दल के लिए आसान हो जाता है कि वह बाइबल में लिखे हर लेखाँश को पहचान सके और गवाही के समय मं एक दूसरे के दृष्टिकोण से सीख सकें।

3. अपने सारे नोट्स को एक कापी में लिख लें।

सब कुछ आपने सीखा है उसे अपनी कॉपी में लिख लें। और हर संगति के समय के विचार भी लिख ले।

ख. मनपसंद सत्य का तरीका (या चुने पद के अनुसार)

परमेश्वर के साथ संगति के अनेक अच्छे तरीके हैं। "मनपसंद सत्य का तरीका"के पाँच कदम हैं। इस अन्तर को नोट कर लें जो मनपसन्द तरीके और चुने पद के अनुसार बाइबल का अध्ययन करना।

पहला तरीका - प्रार्थना .

परमेश्वर के साथ अपने निजि समय की शुरुआत प्रार्थना से करें जिसके द्वारा आप परमेश्वर की उपस्थिति में प्रवेश करते हैं। परमेश्वर से माँगे कि वह आपसे निजि रूप से बाइबल के वचनों और पवित्र आत्मा के द्वारा बात करें। आप उससे माँग ले कि वह आपके जीवन को बाइबल के वचनों के द्वारा आपकेक जीवन में एक नई सामर्थ से भर दे। उदाहरण के लिए यह प्रार्थना करें, "हे प्रभु, मेरी आँखें खोल दें जिससे मैं आप के वचनों में अदभुत चीज़ों को देख सकूँ।"(भजन 119:18)

2. पढ़ेः

हर दिन बाइबल से निर्धारित 7 लेखाँशों में से एक पढ़ें।

3. अपना मनपसंद सत्य चुनें।

आपका मनपसंद सत्य एक पद हो सकता है, कुछ पद हो सकते हैं, या फिर बाइबल का लेखाँश हो जो आपने पढ़ा है उसमें लिखा एक सत्य हो सकता है। यह वह विचार है जिसके विषय में परमेश्वर आप से बात कर रहा है और उस विचार से आपके सोच को उत्तेजित किया है या आपके दिल को छू लिया है।

4. अपने मनपसंद सत्य पर मनन करें।

आप परमेश्वर के वचन पर मनन करते हैं क्योंकि आप उस सत्य का अर्थ समझना चाहते हैं। आप उसके द्वारा नया बन कर एक नई सामर्थ चाहते हैं। और उसे अपने जीवन में लागू करना चाहते हैं। मसीही मनन करने के 4 हिस्से हैं।

1. विचार करें - अपने मनपसंद वचनों के भिन्न शब्दों पर विचार करें।
और स्वयं से प्रश्न पूछें जैसे कि कौन? क्या? कहाँ? कब? और कैसे?

2. प्रार्थना करें - जब आप विचार कर रहे हैं तब परमेश्वर से प्रार्थना करें और परमेश्वर से कहें कि वह आप के दिल और मन से बातचीत करे और शब्दों के अर्थ आपको समझाए या आप पर प्रकट करे कि वह आप को क्या समझाना चाह रहा है, आपको किस बात पर विश्वास करने को कह रहा है, क्या बनने और करने को कह रहा है। और तब जो परमेश्वर कह रहा है उसके अनुसार कार्य करें।

3. सम्बद्ध रहें - अपने मनपसंद सत्य का सम्बन्ध अपने जीवन और इस संसार से बनाए रखें। अपने से ये प्रश्न करें, "सच्चाई की रौशनी में मेरी ज़रूरत क्या है? या यह सत्य मुझे नया कैसे बनासकता है और यह कैसे मुझे सामर्थ देगा? परमेश्वर मुझ से क्या चाहते हैं कि मैं क्या जान लूँ, या किस बात पर विश्वास करूँ या फिर क्या बन जाऊँ?"

4. लिख लें - परमेश्वर के साथ बिताए समय में अपने मन में उठने वाले विशेष विचारों को जिन पर आप मनन कर रहे थे उन्हें लिख कर रख लें।

तरीका 5 . अपने मनपसन्द सत्य के लिए प्रार्थना करें।

उस मनपसन्द सत्य के लिए जिस पर आप विचार और मनन कर रहे थे उसे फिर से परमेश्वर के सामने रख कर उसके लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

1, अपने लिए और अपने मनपसंद सत्य के लिए प्रार्थना करें।
2. अपने मनपसंद सत्य के विषय के अनुसार अपने परिवार के लोगों के लिए प्रार्थना करें।
3. अपने मनपसंद सत्य के अनुसार किसी पड़ोसी के लिए प्रार्थना करे। जैसे किसी पड़ोसी के लिए, कलीसिया के लिए या उसके लिए जो आपके कार्य क्षेत्र में काम करता है।
4. अपने मनपसंद सत्य के अनुसार किसी दूर रहने वाले व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें जैसे किसी अन्य शहर में रहने वाले व्यक्ति के लिए या किस अन्य देश में रहने वाले के लिए प्रार्थना कर सकते हैं।

ग. अपने शान्त समय की गवाही दें

1. गवाही बाँटने का समय -

हर अध्याय के बाद एक गवाही बाँटने का समय होता है। दल के हर सदस्य को अवसर मिलता है कि वह 7 दिन के बाइबल के लेखाँशों में से किसी भी सत्य पर जिस पर उसने अपन परमेश्वर के साथ शान्त समय में मनन किय था उसकी गवाही बाँटे कि उसने क्या सीखा था। हर सदस्य की गवाही दो मिनट से अधिक की नहीं होनी चाहिए।

2. किसी एक व्यक्ति से गवाही बाँटना -

अनेक बार दो व्यक्ति नियमित रूप से मिलते रहते हैं कि एक दूसरे को उत्साहित कर सकें। उनके पास भी गवाही बाँटने का समय होता है। वह जो आपने अपने बाइबल पठन या अध्ययन से या परमेश्वर के साथ निजि समय बिताते समय सीखा है। (शान्त समय)

3. प्रश्नों के उत्तर देना -

हर अध्याय के अध्ययन के समय दल अगुवा पसन्द करता है कि वह दल के हर सदस्य के उन कठिन प्रश्नो का उत्तर दे जो पठन या अध्ययन के समय अनुभव किए गए थे।
